मनोज
चित्र
कथा
मूल्य 6.00
तबाही का
देवता
डबल सीक्रेट एजेन्ट 00
राम-रहीम

तबाही का देवता

पृथ्वी से बहुत दूर ब्रह्माण्ड के दो पड़ोसी ग्रहों में एक बार भयानक युद्ध छिड़ा। युद्ध में बार-बार हारने के कारण जैकूला ग्रह के सम्राट मंडोला ने अपने एक विश्वस्त आदमी कमांडर जोरो को अपने एक पृथ्वीवासी मित्र प्रोफेसर भास्कर के पास उन्हें लाने के लिये भेजा, लेकिन दुर्भाग्य से कमाण्डर जोरो प्रोफेसर भास्कर से नहीं मिल पाया और उसे रहीम को लेकर वापस अपने देश लौटना पड़ा और वह रहीम सहित अपने दुश्मन देश वारटोम के हत्थे चढ़ गया। तब प्रोफेसर भास्कर राम के साथ जैकूला ग्रह की ओर रवाना हुए, लेकिन जैसे ही वे जैकूला ग्रह के निकट पहुंचे, वारटोम के यानों ने उन्हें घेर लिया। आगे क्या होता है? यह जानने के लिये पढ़ें प्रस्तुत चित्रकथा—
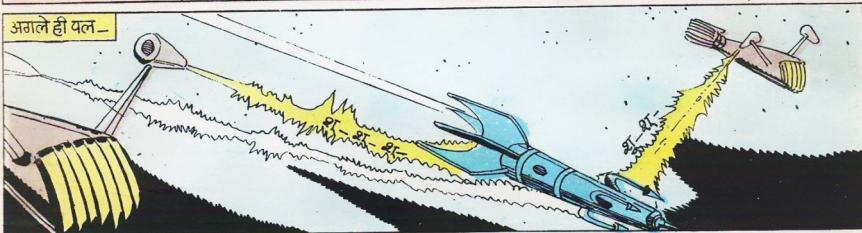
लेखक : बिमल चटर्जी
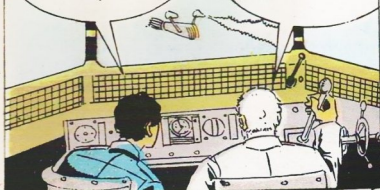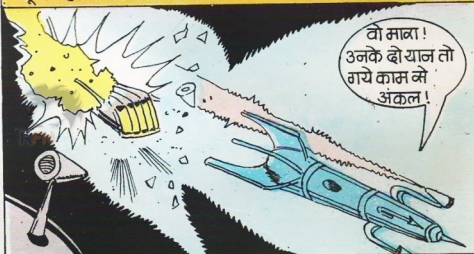
ईश्वर का शुक्र है कि मेरी निर्मित विनाशक किरणें पूरी तरह से कामयाब रहीं। अब मैं जैकूला के यानों को इन्हीं किरणों से लैस करूंगा। तब वे वारटोम की वायुसेना का सफलतापूर्वक मुकाबला कर सकेंगे!
तभी—
उफ! वह देखिये अंकल! कुछ और यान हमारे यान की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन उनकी बनावट वारटोम के यानों से भिन्न है!
बनावट से तो ये जैकूला के ही यान लगते हैं। जैसा कि हम पृथ्वी पर देख चुके हैं। खैर, अभी मालूम हो जायेगा।
उन यानों के निकट आने पर—
जैकूला की ओर से अपनी चमत्कारिक विजय पर शुभ कामनाएं स्वीकार करें। अजनबी मित्रो! क्या हम जान सकते हैं कि आप लोग कौन हैं और कहां जा रहे हैं?
जैकूला का नाम सुनते ही प्रो॰ भास्कर व राम का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा।
हम पृथ्वी से आये हैं मित्रो! मुझे प्रो॰ भास्कर और मेरे साथी को राम कहते हैं।
आहा! प्रोफेसर भास्कर और राम!
प्रोफेसर भास्कर और राम का नाम सुनकर जैकूला के सभी यानों में प्रसन्नता की लहर दौड़ गयी।
हम आपका स्वागत करते हैं प्रोफेसर! महामहिम ने हमें आपके आगमन की सूचना दे दी थी, इसीलिए हम आपके आने की ही बाट जोह रहे थे...
...कृपया लैण्ड करने के लिये हमारे पीछे आएं।
ठीक है!
कुछ ही देर बाद वे सभी यान जैकूला के सैनिक हवाई अड्डे पर लैण्ड कर रहे थे।
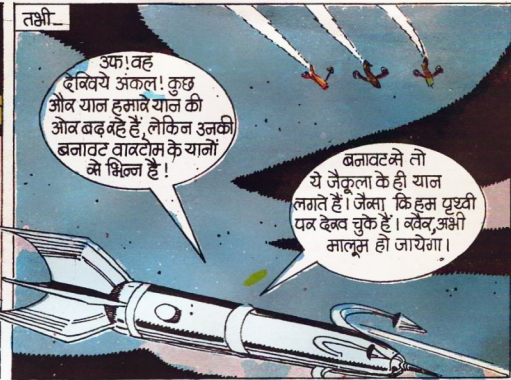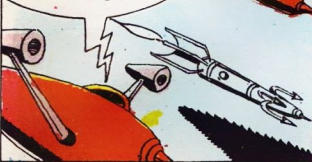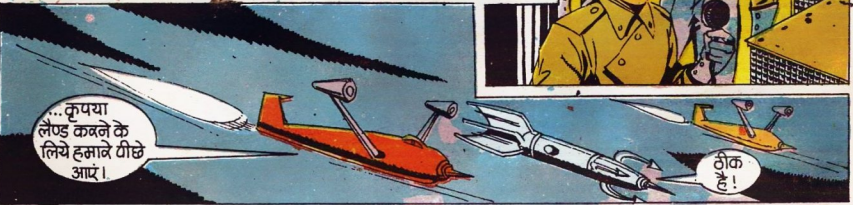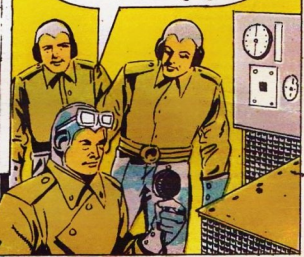
जब प्रो० भास्कर राम के साथ अपने यान से बाहर निकले, वहां उपस्थित सभी लोग उनकी जय-जयकार कर उठे। उन्हें शायद प्रोफेसर और राम की वारटेम की हवाई सेना पर शानदार विजय के बारे में पहले ही मालूम हो गया था।
जैकूला-भारत मित्रता जिंदाबाद!
प्रो० भास्कर, जिंदाबाद!
बहादुर राम, अमर रहे!
महामहिम आप लोगों से मिलने के लिये व्याकुल हैं प्रोफेसर! कृपया इस गाड़ी में बैठ जाएं। मैंने आपका सारा सामान इसी गाड़ी में रखवा दिया है।
हम भी उनसे मिलने के लिये उत्सुक हैं, चलिये।
प्रोफेसर भास्कर और राम के उस विचित्र गाड़ी पर सवार होते ही मार्शल पियानो ड्राईविंग सीट पर पहुंच गया, फिर उसने सामने डैश-बोर्ड पर लगे न जाने कौन-से बटन को दबाया कि गाड़ी हवा में उठकर किसी रॉकेट के समान तीव्र गति के साथ एक दिशा में बढ़ने लगी।
वाह! ऐसी अद्भुत गाड़ी की तो अभी तक पृथ्वीवासियों ने कल्पना भी नहीं की होगी।
निःसन्देह, विज्ञान के क्षेत्र में ये लोग पृथ्वी से बहुत आगे हैं।
लगभग दस मिनट बाद वह अद्भुत उड़न गाड़ी सम्राट मंडोला के राजमहल के ऊपर पहुंची।
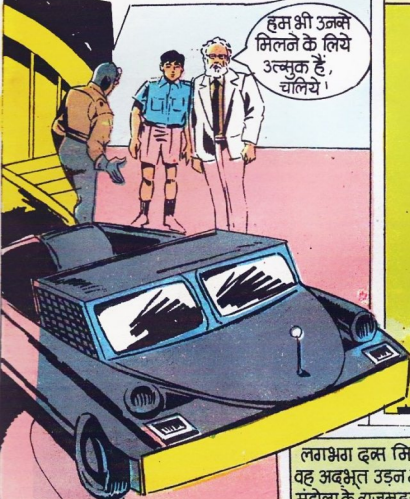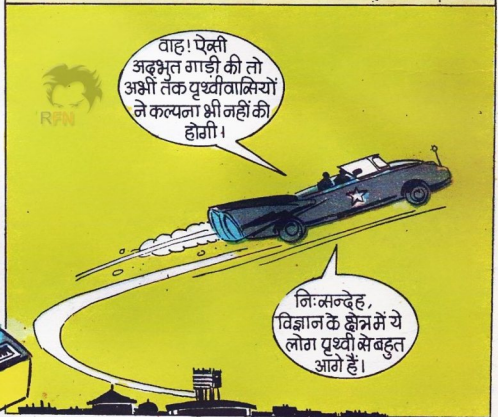
फिर वह गाड़ी राजमहल के प्रांगण में बने स्टैण्ड पर उतर गयी।
आइये प्रोफेसर, भीतर चलें।
महल के भीतर पहुंचने पर—
आहा, मित्र भास्कर! निःसंदेह, तुम्हें देखने के साथ ही मेरी समस्त चिन्ताएं दूर हो गईं।

मित्र, यह है राम! इसी का साथी रहीम तुम्हारे आदमियों के साथ इस समय वारटोम की कैद में है।
ओह!
मुझे तुमसे मिलकर बहुत खुशी हुई बहादुर लड़के। प्रोफेसर के मुख से मैं तुम्हारे बहुत से महान् कारनामों के बारे में सुन चुका हूं।
धन्यवाद सम्राट! मुझे भी आपसे मिलकर बेहद प्रसन्नता हो रही है।

फिर एक-दूसरे का हाल-चाल पूछने के पश्चात—
मित्र, मेरे विचार से तुम लोग इस सफर से थकावट अनुभव कर रहे होगे। अतः पहले कुछ देर आराम कर लो, फिर बातें होंगी।
नहीं मित्र, मैं समय बेकार गंवाने के मूड में कतई नहीं हूं...
...तुम मुझे यहां की पूरी स्थिति के बारे में जानकारी दो और बताओ कि तुम मुझसे किस किस्म की मदद चाहते हो? मैं तुरन्त ही अपने काम में जुट जाना चाहता हूं।
अच्छा तो फिर सुनो...!

फिर मंडोला ने अपनी सारी समस्या बताते हुए अन्त में कहा —
और मित्र, यदि शीघ्र ही वारटोम के आक्रमणों को रोका न गया तो वह दिन दूर नहीं, जब उसके सामने हमें घुटने टेकने पड़ेंगे, और हमारा देश उसकी गुलामी की जंजीरों में जकड़ जायेगा।

चिन्ता मत करो मित्र! ऐसा अब हरगिज नहीं हो सकेगा। मैंने ऐसी किरणें ईजाद की हैं, जिनके प्रयोग करते ही वे स्वयं तुम्हारे सामने घुटने टेक देंगे।
क्या सच मित्र?

हां, उन किरणों का प्रयोग भी मैं आते समय उन पर कर चुका हूं और वह पूर्णतया उनके यानों को नष्ट करने में सफल रही हैं!
ओह! हां, मैं सुन चुका हूं। सच मित्र, हम तो स्वयं को विज्ञान में

सुनो मित्र, मैं चाहता हूं कि तुम्हारे लड़ाकू यानों को युद्ध के लिये उन्हीं किरणों से लैस करूं। क्या तुम मुझे इसी
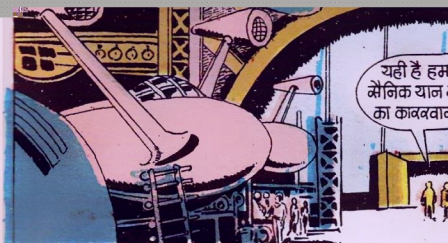
यही है हम
सैनिक यान
का कारखान

जब वे उस विशाल इमारत के भीतर प्रविष्ट हो एक लम्बे-चौड़े हाल में पहुंचे_
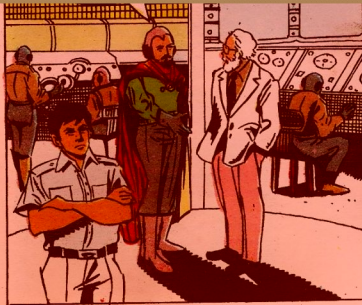
उधर आकाश में जैकूला के पहरेदार यानों ने वारटोम के एकाएक आने वाले उन यानों का मार्ग रोकना चाहा, लेकिन वे सफल नहीं हो पाये।

सुनो जैकूला वासियो, हमसे उलझने की कोशिश मत करो। इस समय हम तुम्हारे ग्रह पर आक्रमण करने के उद्देश्य से नहीं आये हैं...

...बल्कि यह चेतावनी देने आये हैं कि यदि तुम्हारे सम्राट ने ठीक चौबीस घण्टों के भीतर-भीतर हमारे सम्राट ओमाक की गुलामी स्वीकार नहीं की और आने वाले पृथ्वी वासियों को हमारे हवाले न किया तो चौबीस घण्टों बाद हम तुम्हारे ग्रह को नेस्तनाबूत कर देंगे—याद रखना, ठीक चौबीस घण्टों बाद!

उधर हवाई कन्ट्रोल रूम यानी स्टेशन जीरो में—

मित्र, उन्होंने तो तुम्हारे आगमन के साथ ही चौबीस घण्टों का अल्टीमेटम दे दिया, अब क्या होगा? केवल चौबीस घण्टों में हम उनसे मुकाबला करने के लिए क्या तैयारी कर पायेंगे?

वास्तव में यह तो एक बहुत बड़ी मुश्किल हमारे सामने आ खड़ी हुई है...
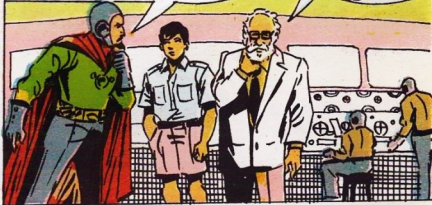
अब तो केवल एक ही उपाय है कि उन्हें किसी भी तरीके से कम-से-कम दस दिन तक किसी और मामले में उलझाये रखा जाये, ताकि वह चौबीस घण्टों बाद जैकूला ग्रह पर आक्रमण करने का विचार त्याग दें।

मैं कुछ समझा नहीं मित्र, आखिर क्या कहना चाहते हो तुम?
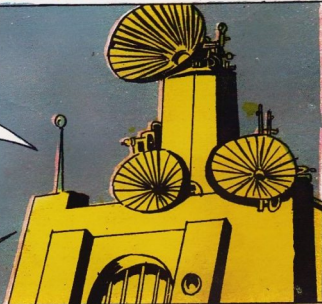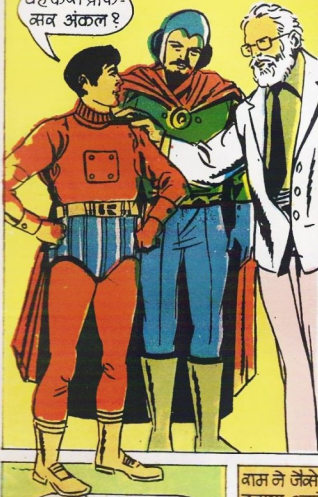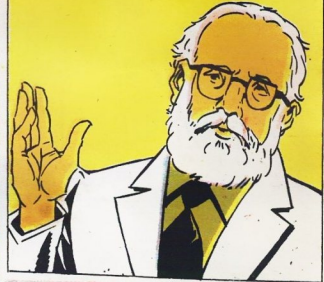
...अब चलो, उस लाल बटन को दबाओ, मैं तुम्हें दिखवाता हूं।

ठीक है, यह लीजिये!

राम ने जैसे ही उस लाल रंग के बटन को दबाया, उसके शरीर से अदृश्य तरंगें फूट पड़ीं, लेकिन—

अंकल, मुझे तो कोई विशेष बात महसूस नहीं हो रही इस बटन के दबने पर।

पोशाक से निकलती तरंगों को तुम देख नहीं सकते, लेकिन मेरे गोली चलाने से तुम्हें अपने

देखा तुमने!
निःसन्देह, आपका आविष्कार महान् है प्रोफेसर अंकल!
वाह दोस्त! तुम्हारी यह पोशाक तो वास्तव में करामाती है।
अब सुनो, इस पीले रंग के बटन को दबाने पर तुम सबकी नजरों से ओझल हो जाओगे। तब तुम्हें कोई नहीं देख पायेगा, लेकिन तुम सबको देख सकोगे और इस हरे रंग के बटन को दबाने पर तुम फिर से दिखाई देने लगोगे।
क्या इसका भी परीक्षण करके देखूं?
नहीं, फिलहाल कोई जरूरत नहीं। तुम चौथे बटन की विशेषता सुनो...

...इस चौथे सफेद बटन के दबाने पर तुम्हारे दोनों हाथों के दस्तानोके आगे लगे नाखूनों से अग्नि किरणें निकलेंगी और जिस पर वह किरणें पड़ेंगी, वह पलक झपकते ही जलकर राख में परिवर्तित हो जायेगा।
गजब है!

अब बेल्ट पर लगे बटनों की विशेषता सुनो।
क्या मतलब?

लाल बटन को दबाओ। तब तुम स्वयं ही मतलब जान जाओगे।
लगता है प्रोफेसर अंकल ने इस पोशाक को भानुमति का पिटारा बना रखा है!

बैल्ट पर लगे लाल रंग के बटन को दबाते ही राम एक झटके के साथ हवा में उड़ने लगा।
यह क्या प्रोफेसर अंकल? मैं तो उड़ने लगा!
घबराओ नहीं। इस बैल्ट की यही विशेषता है। दूसरे बटन को दबाने पर तुम्हारे उड़ने की गति तेज हो जायेगी और तीसरे बटन के दबाने पर नीचे उतर आओगे...
???

राम ने तुरन्त तीसरा बटन दबाया और नीचे उतर आया।
आपने तो कमाल कर दिया प्रोफेसर अंकल! यह पोशाक तो किसी जादुई पोशाक से कम नहीं।
बोलो मत, केवल सुनते जाओ। इस पोशाक की एक विशेषता यह भी है कि उड़ते हुए तुम अपने दोनों हाथ जिस भी दिशा में करोगे, उसी दिशा में बढ़ने लगोगे...

...यानी हाथों से ही तुम्हें किसी गाड़ी के स्टेयरिंग व्हील का काम लेना है।
समझ गया अंकल! कोई और चमत्कार?

तब प्रोफेसर ने अपने अटैची केस से एक छोटा-सा रिवाल्वर और एक थैली निकाली —
लो, इन्हें भी सम्भालकर रख लो। यह लेसर बीम युक्त रिवाल्वर है और इस थैली में बटननुमा, किन्तु शक्तिशाली बम व टाइम बम हैं...

...रिवाल्वर में तुम जो दो ट्रेगर देख रहे हो, उसमें पहले वाले ट्रेगर को दबाने पर गोलियों के स्थान पर ऐसी गर्म किरणें निकलेंगी कि लोहे तक को पलक झपकते मोम की तरह पिघला देंगी...

...और दूसरे ट्रेगर को दबाने पर इतनी सर्द किरणें निकलेंगी कि किसी भी वस्तु या इन्सान को बर्फ बनाकर जड़वत कर देंगी। अब थैली में से कुछ बटननुमा बम निकालो।
ओ-माई गॉड!

राम ने थैली में से कुछ बटननुमा बम निकाले।
ये बटननुमा बम व टाइम बम छोटे जरूर हैं, लेकिन इनके फटने पर पांच सौ गज के घेरे में आने वाली सभी वस्तुएं राख में परिवर्तित हो जायेंगी।
वाह, प्रोफेसर अंकल! आप सचमुच धन्य हैं, महान् हैं...

...लेकिन एक बात मेरी समझ में नहीं आ रही कि आज तक आप अपने इन महान् आविष्कारों को दुनिया के सामने क्यों नहीं लाये। इन आविष्कारों से तो आपका नाम अमर हो जाता!
मुझे अपने नाम को अमर करने का इतना शौक नहीं राम बेटे, जितना मानव कल्याण की चिन्ता है...

...जरा सोचो, इन आविष्कारों को प्रकाश में लाने पर कोई अपराधी इन्हें हथिया ले तो वह क्या कुछ नहीं कर सकता। तब क्या मेरे यही आविष्कार मुझे पूरी दुनिया में बदनाम न कर देंगे!
ओह! यह तो मैंने सोचा ही नहीं। सच अंकल, आप जितने महान् हैं, आपके विचार उससे भी कहीं ज्यादा महान हैं।

मुझे भी आज अपने मित्र के विचार जान कर अपनी मित्रता पर गर्व हो रहा है।

खैर! यदि आपका काम पूरा हो गया हो तो मेरे लिये एक यान का प्रबंध कीजिये और मुझे आशीर्वाद देकर विदा कीजिये।
मेरा विशेष यान तुम्हारे लिये राज एयरपोर्ट पर तैयार खड़ा है। चलो, वहीं चलें।

फिर तीनों राजमहल के उस हिस्से में पहुंचे, जहां सम्राट मंडोला का विशेष यान खड़ा था।
यह यान विशेष रूप से मेरे लिये बनाया गया था, लेकिन अब तुम्हारे काम आयेगा। जाओ, भीतर पहुंचो और वारटोम ग्रह पहुंचकर उनका काल बन जाओ। देवता से मैं और मेरी प्रजा तुम्हारी सफलता और रक्षा की कामना करेंगे।

अच्छा तो विदा मेरे प्रिय एवं आदरणीय जनो! ईश्वर ने चाहा तो जल्द ही मुलाकात होगी!

और अगले ही पल राम ने स्वयं ही यान को स्टार्ट किया और आकाश का सीना चीरता हुआ वारटोम की ओर उड़ चला।

निःसन्देह बहुत ही बहादुर लड़का है। एक पन्द्रह-सोलह साल के लड़के में इतना अदम्य साहस कूट-कूटकर भरा होगा, यह मैं सपने में भी नहीं सोच सकता था।
यदि तुम हमारे देश में होते मित्र तो तुम्हें उसके इस अदम्य साहस को देखकर इतना आश्चर्य नहीं होता। वह तो इससे भी महान् कारनामे कई बार कर चुका है। आओ, अब वापस चलें। मैं भी अपना काम अभी से आरम्भ कर देना चाहता हूं।

इधर जब राम के तीव्रगामी यान ने कुछ ही मिनटों के पश्चात् जैसे ही वारटोम की आकाशीय सीमा में प्रवेश किया, वारटोम के रक्षक यानों ने उसे चारों ओर से घेरकर उस पर आक्रमण कर दिया।
लेकिन चूंकि राम का यान उस समय सुरक्षा किरणों के घेरे में था, इसलिये उनके आक्रमणों का उसके यान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

ऐ जैकूलावासी, हम तुम्हें चेतावनी देते हैं, तुरन्त स्वयं को हमारे हवाले कर दो, वरना शीघ्र ही अन्य हथियारों से यान समेत तुम्हें नष्ट कर दिया जायेगा।

पहले अपनी खैर मनाओ मूर्खो। मैं जैकूलावासी नहीं, बल्कि पृथ्वीवासी हूं और तुम सबकी मौत लेकर आया हूं।

और राम ने वारटोम के उन यानों पर आक्रमण करने के साथ-साथ उनके नगरों, शहरों में भी तबाही मचानी आरम्भ कर दी।
हा...हा...हा...! वारटोम वासियो देखो, युद्ध का परिणाम क्या होता है?

और देखते-ही-देखते राम ने वारटोम के कई शहरों को खण्डहरों में बदल दिया।
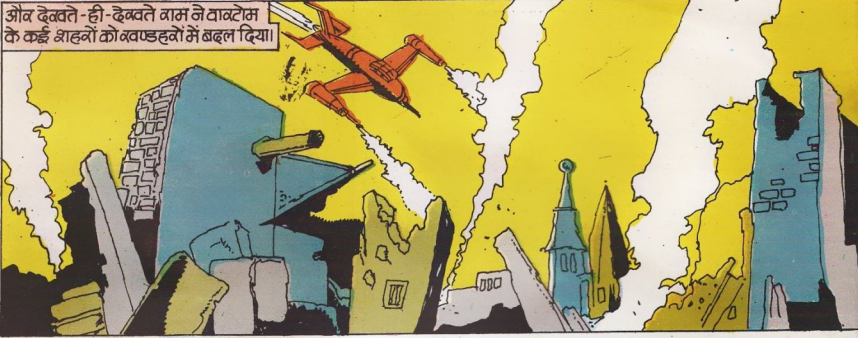
राम द्वारा इतनी भयानक तबाही मचाते देख वारटोम की हवाई सेना बुरी तरह बदहवास हो उठी।
उफ! किसी तरह भी काबू में नहीं आ रहा! जनरल मोन्टो को सारी स्थिति से अवगत करके सलाह लो।
ठीक है कैप्टन हिन्क!

जनरल मोन्टो को जब सारी स्थिति की सूचना मिली तो एकदम से उसकी भी समझ में नहीं आया कि अपने हवाई रक्षकों को क्या निर्देश दे। अतः उसने जाकर अपने सम्राट ओमाक को सारी स्थिति कह सुनाई।
सम्राट, वह पृथ्वीवासी छोकरा हमारे लिये एक भयानक सिरदर्द बन गया है। हमारी फोर्स के तमाम आक्रमण विफल हो रहे हैं, जबकि वह चन्द ही मिनटों में न केवल हमारे बहुत से यानों की धज्जियां उड़ा चुका है...

...बल्कि कई नगरों को भी मटियामेट कर चुका है!
और तुम मूर्ख मुझे यह सारी कहानी सुनाने आये हो...

...तुम्हें तो यह कहानी सुनाने से पहले डूब मरना चाहिये था। दफा हो जाओ यहां से और पृथ्वीवासी छोकरे से कह दो कि यदि उसने तुरन्त ही आत्मसमर्पण नहीं किया तो उसके साथी को खत्म कर दिया जायेगा।
जो आज्ञा सम्राट!

जनरल मोन्टो ने वहां से लौटकर अपने यानों को वैसा ही निर्देश प्रसारित कर दिया जैसा कि ओलाक ने कहा था। निर्देश मिलते ही तुरन्त सभी यानों से राम को चेतावनी दी जाने लगी।
सुनो, ऐ पृथ्वीवासी छोकरे, यदि तुमने तुरन्त ही अपने आपको हमारे हवाले नहीं किया तो तुम्हारे साथी को मौत के घाट उतार दिया जायेगा!

जब राम ने वह चेतावनी सुनी—
मारे गये। यह विचार कम्बख्तों के दिमाग में कहां से आ गया? अब रहीम की जिंदगी बचाने के लिये आत्मसमर्पण करना ही होगा। खैर, रहीम से मिलकर फिर निपटूंगा इनसे।

और—
सुनो वारटोम के रक्षको, मेरे साथी को मारने की जरूरत नहीं। मैं अपने आपको तुम्हारे हवाले करने के लिये तैयार हूं। बोलो, कहां उतरना है
वो मारा!

सुनो पृथ्वीवासी, चुपचाप हमारे यानों के पीछे चले आओ। लेकिन ध्यान रहे, किसी किस्म की चालाकी करने की कोशिश मत करना, वरना...!

जानता हूं। धमकाने की कोई जरूरत नहीं, चलो!
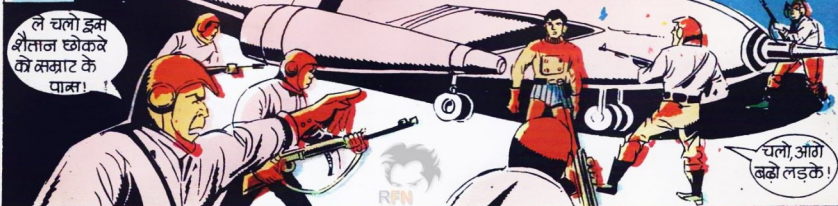
खामोश गुस्ताख, जानते नहीं किससे बातें कर रहे हो! हम चाहें तो इसी समय तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े करवा सकते हैं, लेकिन नहीं - हम तुम्हें उस समय तक अवश्य जिन्दा रखेंगे, जब तक कि जैकूला का सम्राट मंडोला हमारे कदमों पर अपना सिर न झुका दे...

...जनरल मोन्टो, ले जाओ इस मूर्ख को हमारे सामने से और उसी कैदखाने में डाल दो, जहां इसका साथी कैद है। हम इन सबकी और सम्राट मंडोला की जिंदगी का फैसला जैकुला पर फतह हासिल करने के बाद ही करेंगे। हा...हा...हा...!

जो आज्ञा महामहिम!

जनरल मोन्टो ने राम को भी उसी कैदखाने में डाल दिया, जहां रहीम, कमाण्डर जोरो आदि के साथ बन्दी रखा गया था।

अरे राम!

राम भइया!

रहीम, मेरे भाई—मेरे दोस्त!

शाबाश! खूब अच्छी तरह मिल लो गले। चौबीस घण्टों के बाद फिर शायद ही तुम लोग एक दूसरे को जिन्दा देख सको। चलो सैनिको!

पहरेदारों को छोड़कर जनरल मोन्टो व अन्य सैनिकों के जाने के बाद—

राम भइया, तुम यहां तक कैसे पहुंच गये?

हां मि॰ राम, हमें भी आश्चर्य हो रहा है। तुम्हारे जाने के बाद...!

बस-बस कमाण्डर, आपको किस मजबूरी के कारण पृथ्वी छोड़नी पड़ी, वह मुझे मालूम हो गया है। अब सुनिये, मैं और प्रोफेसर

...गये ...नुमा ...ा।

फिर राम ने प्रोफेसर द्वारा दि... सुपर सूट, रिवाल्वर और बटन बमों के बारे में सबकुछ बता दि...

सबकुछ जानकर वहीम के साथ-साथ कमाण्डर जोरो आदि के भी चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे।
वाह! फिर तो हम यहां से आसानी के साथ निकल सकते हैं।
बिल्कुल, अब तुम सब मेरी योजना सुनो...

यहां से निकलने के बाद तुम्हें दो ग्रुपों में बंटकर यहां के महत्वपूर्ण स्थानों को नष्ट करना है। जैसे हवाई अड्डा, हवाई कन्ट्रोल रूम, ऊर्जा स्टेशन आदियों को!

अपनी योजना समझाने के बाद राम ने थैली से कुछ टाइम बम और दस्ती बम निकालकर वहीम और कमाण्डर जोरो आदि को दे दिये ।
इन छोटे, किन्तु शक्तिशाली बमों का प्रयोग कर तुम लोग अपना कार्य आसानी से पूरा कर सकते हो।
ठीक है। समझ गये, लेकिन यहां से हम निकलेंगे कब ?

रात के दूसरे पहर!
राम ने कहा और फिर वे सब खामोश होकर रात होने का इन्तजार करने ल

और रात के दूसरे पहर, जब पहरा देने वाले सभी सैनिक ऊंघने लगे तो राम ने अपना लेसर रिवाल्वर निकालकर लोहे के द्वार पर अग्नि किरणों का प्रयोग किया।
वाह!
वो मारा!

शीघ्र ही–
जल्दी बाहर निकलो और पहरेदारों को बेहोश कर उनके हथियार अपने अधिकार में कर लो।

आहट सुनकर ऊंघते पहरेदार चौंके, लेकिन तब तक उन्हें सम्भलने में काफी देर हो चुकी थी
आह!
उफ!

मेरे विचार से अब समय नष्ट न करके दो ग्रुपों में बंटकर अपने-अपने काम पर निकल जाओ, मैं सम्राट ओमारू से निपटता हूं!
ठीक है!

अगले ही पल वे सब कैदखाने से बाहर निकलकर दो ग्रुपों में बंट गये।
तुम लोग मेरे पीछे आओ!
और तुम लोग मेरे पीछे!

रहीम और कमाण्डर जोरो आदि के नजरों से ओझल हो जाने के बाद राम भी तेजी से राजमहल की ओर दौड़ पड़ा।
चौबीस घण्टों के बाद जैकूला पर होने वाले आक्रमण को रोकने के लिये मुझे सर्वप्रथम यहां के सम्राट ओमारू को बौखलाना होगा और यह काम यहां की प्रजा को भयभीत करके आसानी से हो सकता है!

उधर रहीम जब अपने ग्रुप के साथ वारटोम के विशाल सैनिक हवाई अड्डे पर पहुंचा।
ऐ, कौन हो तुम लोग और वहां क्या कर रहे हो, सामने आओ।
ओह, हम देख लिये गये हैं।

अगले ही पल —
फायर!

आदेश मिलते ही —
उफ!
आह!

और शीघ्र ही पहरेदार सैनिकों की लाशें वहां बिछ गयीं।
भीतर चलो और टाइम बमों को पांच मिनट के लिये सेट करके चारों तरफ फिट कर दो।
ओ.के. मि. रहीम! चलिये

फिर वे सभी हवाई अड्डे के भीतर प्रविष्ट हो गए और उन्होंने आनन-फानन में बहुत से बटननुमा, किन्तु शक्तिशाली टाइम बम चारों ओर खड़े यानों व महत्वपूर्ण स्थानों पर फिट कर दिये।
चलो, अब निकल चलो यहां से। अब हमारा अगला लक्ष्य होगा यहां का पावर स्टेशन!

और जैसे ही वे हवाई अड्डे से निकलकर कुछ दूर पहुंचे —
काम पूरा हुआ, लेकिन जल्दी से यहां से दूर हो लो। सम्राट का सैनिक दस्ता यहां पहुंचता ही होगा!

इधर अपने ग्रुप के साथ वारटोम के सैनिकों का सफाया करते हुए कमाण्डर जोरो ने वारटोम का हवाई कन्ट्रोल रूम सफलतापूर्वक तबाह कर दिया।
हा...हा...हा...! हमने दुश्मन का एक हाथ तोड़ डाला, निकल चलो। अब हमें यहां के वाटर सप्लाई टैंक को उड़ाना है।
इधर रहीम और कमाण्डर जोरो अपने साथियों के साथ वारटोम की महत्वपूर्ण इमारतों को तबाह करने में जुटे हुये थे...
...और उधर राम_
भागो!
उड़ते हुए राम द्वारा मचाई जाने वाली भयानक तबाही और मार-काट से वारटोम की प्रजा शीघ्र ही बुरी तरह भयभीत हो उठी।
वह पृथ्वीवासी हम सबको मौत के घाट उतार कर ही दम लेगा।
उफ! कुछ समझ में नहीं आ रहा कि उससे कैसे छुटकारा पायें!
यह विपत्ति हम पर सम्राट के कारण ही आई है। न वह जैकूला पर बार-बार आक्रमण कर उसे छेड़ता और न जैकूला हम पर यह विपत्ति छोड़ता।
हमें सम्राट के पास चल कर उन से ही इस विपत्ति से छुटकारा पाने का उपाय पूछना चाहिये।
तब चलो, हम सम्राट के पास ही चलें। यदि वह हमारी रक्षा नहीं कर सकता तो उसे भी शासन करने का कोई हक नहीं!
हां_हां, चलो! अपनी हवस को पूरा करने के लिये हमारी आहूति देने का उसे कोई हक नहीं!
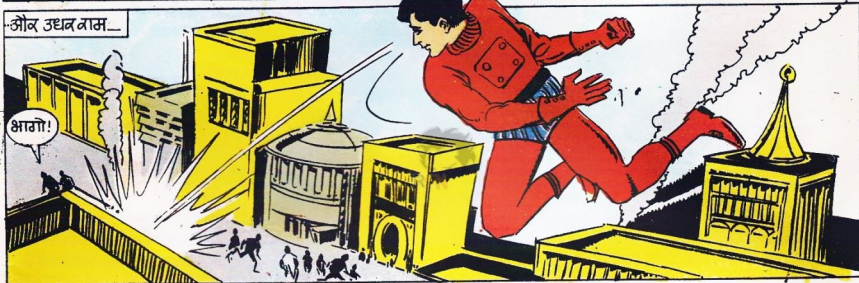
फिर राम ने सीने पर लगा तेज गति से उड़ने वाला बटन दबाया और भीड़ से पहले ही राजमहल के भीतर पहुंच गया।

अब मुझे प्रकट हो जाना चाहिये, ताकि महल के रक्षक मुझे देखकर बौखला उठें!

...वह कोई खतरनाक इन्सान मालूम पड़ता है। खतरे का अलार्म बजा दो।

बहुत अच्छा श्रीमान्!

उस व्यक्ति के जाने के बाद —
और तुम सब मेरे साथ आओ। हम उसका पीछा करेंगे।
कुछ ही देर बाद पूरे राजमहल में खतरे का अलार्म बज उठा और इसी के साथ वहां के तमाम रक्षक एवं सैनिक सतर्क हो उठे।
पी_पी_पी-पी-पी-पी-
खतरे का सायरन। जरूर कोई गड़बड़ है ! अपने-अपने हथियार सम्भाल लो।
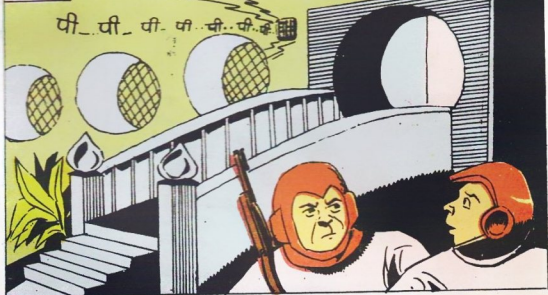
फिर यह बात फैलते ही कि एक उड़ने वाला विचित्र लड़का राजमहल में घुस आया है, सभी सैनिक जोर-शोर से उसकी तलाश करने लगे।
कहां है वह सुपरमैन!

उस तरफ गया है!

शीघ्र ही—
वह रहा सुपरमैन! फायर!
तुरन्त—
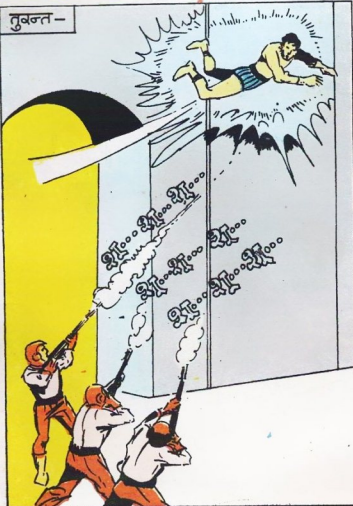
परन्तु विनाशक किरणों का भी राम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
बस! चूहे-बिल्ली का खेल बहुत हो गया। अब जरा उन्हें सुपरमैन की असलियत भी दिखा दूं।
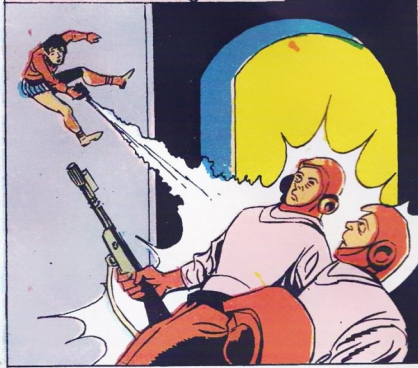
उधर वारटोम का क्रूर शासक ओमाक अपने विशेष महल में इस समय बुरी तरह बौखलाया हुआ था। उसे राम द्वारा महल में मचाई गई मार-काट व महत्वपूर्ण स्टेशनों की तबाही के बारे में सारी सूचना मिल चुकी थी। यही कारण था कि जनरल मोन्टो व ग्रह के अन्य उच्चाधिकारी इस समय उसके सामने मौजूद थे।

मैं पूछता हूं कि पूरी फौज के रहते हुए भी उन मुट्ठी भर लोगों ने यह सबकुछ कैसे कर दिया? कैसे निकले वे कैद से लोहे की सलाखें पिघलाकर और तुम सब क्या करते रहे उस समय?

ओमाक ने क्रोध से भरकर तुरन्त अपना लेसर रिवाल्वर निकाल लिया।
तब तुम ही सबसे पहले अपनी इस गलती का खमियाजा भुगतो कैप्टन हिन्क!

और जब कैप्टन हिन्क जलकर राख के ढेर में बदल गया —
अब तुम लोग ध्यान से सुनो! मुझे वे सभी कैदी दो घण्टे के भीतर-भीतर जिन्दा या मुर्दा चाहिये। यदि ऐसा न हुआ तो तुम सबकी मौत भी कैप्टन हिन्क की तरह ही होगी।
ज... जी महामहिम!

तभी एक घबराये हुए सैनिक ने वहां प्रवेश किया।
सम्राट-सम्राट, गजब हो गया सम्राट!
अब तुम क्या बुरी खबर लाये हो उल्लू की दुम!

महामहिम, हजारों की संख्या में आयी प्रजा इसी समय आपसे मिलना चाहती है और वह बहुत ही क्रोधित मालूम पड़ती है!
जरूर वे उन कैदियों द्वारा मचाई गई तबाही के सिलसिले में ही मिलना चाहते होंगे...

...लेकिन इस समय हम परेशान हैं और उनसे कतई नहीं मिलना चाहते। जाओ, उनसे कह दो!
यह हम उनसे पहले ही कह चुके हैं सम्राट, लेकिन वे बिना मिले वापस लौटने के लिये तैयार नहीं हो रहे!

तो सैनिकों से कहकर उन्हें खदेड़ दो!
ठहरिये महामहिम, ऐसा करना उचित न होगा!
???

क्यों उचित नहीं होगा जनरल?
ऐसा करने से प्रजा क्षुब्ध होकर बगावत पर भी उतर सकती है। तब समस्या और विकट हो जायेगी। मेरे विचार से तो इस समय उन्हें चलकर ढाढस बंधाना ही उचित होगा।

ओह, ठीक है। हम चलते हैं, लेकिन तुम सैनिकों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिये तैयार रहने का आदेश दे दो। हमें प्रजा के आसार कुछ अच्छे नहीं दिखाई दे रहे।
जो आज्ञा महामहिम!

कुछ देर बाद सम्राट ओमाक जनरल मोन्टो व अन्य उच्चाधिकारियों के साथ-साथ बहुत से सैनिकों को लेकर अपने महल के बुर्ज पर पहुंचा, जबकि राम, जो कि महल में होने वाली उनकी तमाम बातचीत सुन चुका था, अदृश्य हो तमाशा देखने के लिये आकाश में मंडरा रहा था।
कहो, क्यों मिलना चाहते हो तुम लोग?

हम जैकूला और उनके मित्र पृथ्वीवासियों द्वारा मचायी गई तबाही से छुटकारा पाना चाहते हैं महामहिम!

आप जैकूला से युद्ध बन्द करके हमें इस मुसीबत से छुटकारा दिला सकते हैं सम्राट!
हां सम्राट, हम अब और व्यर्थ में ही अपने प्राण गंवाने के लिये तैयार नहीं।
आप हमारे अन्नदाता हैं महामहिम! अतः आप ही हमारे घर-बार और बाल-बच्चों की रक्षा कर सकते हैं।

तुम लोग व्यर्थ ही घबरा रहे हो। जाओ, अपने-अपने घर जाओ। विश्वास करो, भोर होने तक वे मुट्ठीभर विध्वंसकारी जिन्दा नहीं रहेंगे।
नहीं, हम तब तक अपने घर वापस नहीं जायेंगे, जब तक आप हमें जैकूला से युद्ध बन्द करने का वचन नहीं दे देंगे।
हां-हां, हम तब तक वापस नहीं लौटेंगे!

खामोश मूर्खों! यह युद्द किसी भी कीमत पर बन्द नहीं किया जायेगा। हम जैकूला को फतह करके ही रहेंगे। यह हमारा दृढ़ निश्चय है। कायरों जैसी बातें बन्द करो और अपने-अपने घर को लौट जाओ।
नहीं_नहीं_ हम नहीं जायेंगे।

बन्द करो अपनी बकवास, और भाग जाओ यहां से, वरना एक-एक को भून-कर रख दिया जायेगा!

अपने सम्राट की बात सुनकर प्रजा का खून और भी उबाल खा गया।
सम्राट ओमार, मुर्दाबाद!
यह जान लेवा युद्द बन्द करो!
हम शांति चाहते हैं!
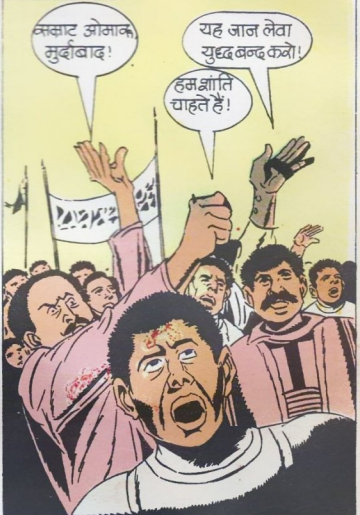
तुम लोगों की यह हिम्मत! सैनिको भून डालो इन सबको।

ठहरिये सम्राट, ऐसा करना उचित नहीं होगा। यह प्रजा के साथ अन्याय है!
तुम खामोश रहो बुजदिल! तुमसे मैं बाद में निपटूंगा।
सैनिकों आदेश का पालन करो।

और अपने सम्राट के आदेश पर सैनिकों ने प्रजा को भुट्टे की तरह भूनना आरंभ कर दिया!

आह!

उफ!

हम मर जायेंगे, लेकिन वापस...आह!

उफ! यदि उन्हें नहीं रोका गया तो निर्दोष प्रजा नाहक ही मारी जायेगी।

अगले पल राम प्रकट होकर तीव्र गति से सम्राट ओमारू की ओर झपटा।

उफ। यह तो वही पृथ्वीवासी छोकरा है। सैनिको, बचाओ मुझे!

अरे!

परन्तु इससे पहले कि सैनिक अपने सम्राट को बचाने का कोई उपाय कर पाते...

उफ!

...राम उसे गिरेबान से थाम कर हवा में उड़ गया।

जनरल मोन्टो आदि सभी अधिकारी व सैनिक यह दृश्य देख सकते में आ गये।

प्रजा की बात सुनकर—
ठीक है। आप लोगों के खूनी को मैं आपके ही हवाले कर रहा हूं। आप लोग स्वयं ही इस शैतान को सजा दें और नया शासक चुनें!
नहीं—नहीं— ऐसा मत करो। प्रजा मेरे चिथड़े-चिथड़े उड़ा देगी!

लेकिन राम ने ओमाक की गिड़गिड़ाहट पर जरा भी ध्यान नहीं दिया और उसे ऊपर से भीड़ पर उछाल दिया।
अब अपनी करनी का फल भुगत शैतान!
नहीं—आ. ..ई...ई...!

और जैसे ही ओमाक भीड़ के मध्य जाकर गिरा, भीड़ उस पर किसी भूखे गिद्धों के समान टूट पड़ी।
आ... ऊ... ऊ...
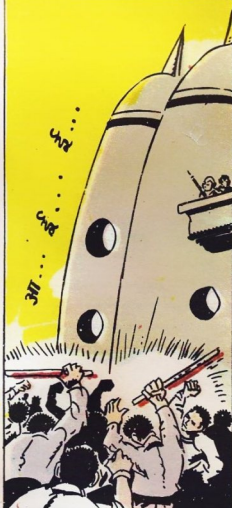
तभी रहीम भी कमाण्डर जोरो आदि के साथ वहां पहुंच गया।

राम भइया!
आहा! रहीम! मैं नीचे आ रहा हूं!

राम नीचे उतरा तो रहीम ने दौड़कर उसे गले से लगा लिया।
सच भइया, तुमने तो कमाल कर दिया!
हां रहीम! ईश्वर की कृपा से हमारा मिशन सफल हो गया!

इधर ओमाक के चिथड़े-चिथड़े उड़ाने के पश्चात भीड़ का क्रोध शांत हुआ और वह राम-रहीम आदि की जय-जयकार कर उठी।
पृथ्वीवासी, जिन्दाबाद!
जैकूला-वारटेम मित्रता, जिन्दाबाद!

देवता की दया से जो हुआ वह अच्छा ही हुआ। अब आप लोग फिर से अपना मनपसंद, नेक और दयालु राजा चुनकर शांति के साथ रह सकते हैं। हमारी ओर से दोनों देशों की मित्रता पर शुभकामनाएं।
हम जनरल मोन्टो को अपना राजा मानते हैं!
जनरल मोन्टो! जिन्दाबाद!
सम्राट मोन्टो! जिन्दाबाद!
हम आपका यह उपकार कभी नहीं भूलेंगे पृथ्वीवासी मित्रो!
धन्यवाद सम्राट मोन्टो! मैं चाहता हूं जैकुला और वारटोम दोनों देश आपस में मिल-जुलकर प्रेम से रहें।
और जब राम के कहने पर भोर होने के साथ ही कमाण्डर जोरो ने जैकुला पहुंचकर अपने सम्राट मंडोला और प्रोफेसर भास्कर को वह खुश-खबरी दी—
आहा! विश्वास नहीं होता कि चौबीस घण्टों के भीतर उस छोटे से लड़के ने यह कमाल कर दिया होगा!
निःसन्देह, यकीन तो मुझे भी नहीं हो रहा किन्तु खैर, -चलो चलकर वारटोम की खुशी में शामिल होयें। जनरल मोन्टो ने विशेष रूप से हमें अपनी ताजपोशी में सम्मिलित होने के लिये बुलाया है!
जब वे एक विशेष यान द्वारा वारटोम के हवाई अड्डे पर उतरे तो वारटोम की प्रजा ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया और जनरल मोन्टो ने मंडोला को अपने गले से लगा लिया।
सम्राट मंडोला, जिन्दाबाद!
पृथ्वीवासी, जिन्दाबाद!
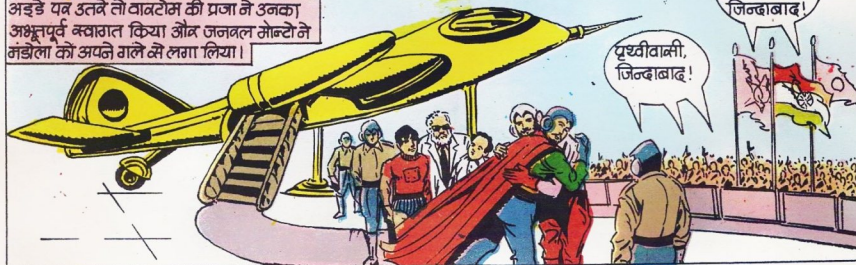
और जब जैकूला और वारटोम ग्रह में सामूहिक खुशियां मनाई जा रही थीं तो एक दिन—
कई दिन हो गये यहां हंसी-खुशी रहते हुए। अब हमें अपने देश लौटने की इजाजत दो मित्र! हमारे देशवासी हमारे लिये व्याकुल हो रहे होंगे।
इतनी जल्दी! नहीं-नहीं मित्र, भला यह कैसे हो सकता है। कम-से-कम एक माह तो मुझे अतिथि सत्कार करने का मौका मिलना ही चाहिये!
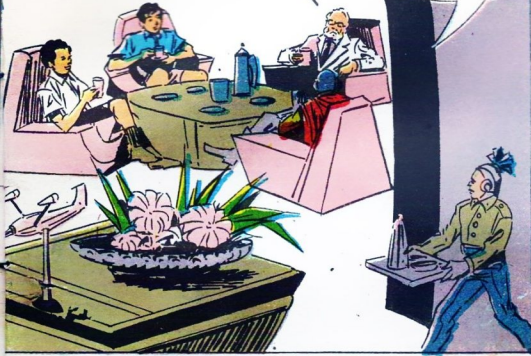
हम तुम्हारे प्यार का आदर करते हैं मित्र! और जरूर कुछ दिन और रुकते, लेकिन आजकल मैं एक महत्वपूर्ण प्रयोग में जुटा हूं, जिसकी मेरे देश को बहुत सख्त जरूरत है। मेरे उस प्रयोग के पूरा होने पर हमारे देश को बहुत बड़ा लाभ पहुंचेगा। अतः हमें रोकने की जिद न करें...

...वैसे वायदा करते हैं कि मौका देखकर हम शीघ्र ही फिर तुम्हारी मेहमानी करेंगे।
ठीक है मित्र! जैसा तुम उचित समझो। मैं तुम लोगों के जाने का प्रबन्ध करता हूं।

और उसी रात जब प्रोफेसर और राम-रहीम सम्राट मंडोला के साथ जैकूला के हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां उनका यान उड़ान भरने के लिये तैयार खड़ा था, वहां उपस्थित जैकूला और वारटोम की प्रजा के नेत्रों में आंसू भर आये।
विदा, मेरे दोस्तो!
सम्राट मंडोला जिन्दाबाद!
सम्राट मोन्टो, जिन्दाबाद!
भारतीय मित्र! जिन्दाबाद!

मुद्रक : गोयल ऑफसैट वर्क्स, दूरभाष : 7211428
समाप्त